सफलता के अचूक मंत्र

प्रिया गगनेजा
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की

सफलता के लिए धैर्य रखना परम आवश्यक है। खुद में अधिक सुधार करने के लिए बारम्बार प्रयास करना होगा फिर चाहे हमें उस कार्य में सफलता हासिल हो या न हो। हमारा प्रत्येक प्रयास हमारी सफलता के लिए आधारशिला के समान होगा। जिस प्रकार पत्थर पर पड़ी हर चोट भले ही वह छोटी क्यों न हो, लेकिन लगातार चोट मारते रहने से आखिरकार पत्थर टूट ही जाता है। हमारा प्रत्येक अभ्यास हमें या तो सफलता दिलाएगा या फिर अनुभव। दोनों ही सफल होने के लिए अति आवश्यक है। लहरों के स्वर मधुर ना होते, रास्ते में अगर पत्थर ना होते। हार से घबराकर हम प्रयास करना ही छोड़ दें यह समझदारी नहीं है। हार बहुत महत्वपूर्ण चीज है। हम जो कुछ भी बनना चाहते हैं उसके लिए हार ही हमें प्रेरित करती है। जीवन बहुत ही सरल और सहज है इसको बिना वजह मुश्किल न बनाए। इसको जितना ज्यादा हम सरलता के साथ जीते हैं उतना ही सफलता को आकर्षिक करने का काम करते हैं।

कोशिश करने से पीछे न हटें। क्योंकि दोबारा कोशिश करने से शुरूआत शून्य से नहीं, बल्कि हमारे अनुभव से होती है। जीतने का जज्बा रखने वाले हारने से नहीं घबराते। जिस प्रकार पतझड़ के बिना नए पत्ते नहीं आते उसी प्रकार हमें भी सफल होने के लिए असफलताओं का सामना करना पड़ता है। दूसरों में जितना हम खुशी को तलाशने की कोशिश करते हैं उतना ही हमें दुख एवं परेशानी का सामना करना पड़ता है। यह कथन भी उचित होगा कि खुशी हमेशा हमारे अंदर ही मौजूद होती है बस उसे एक छोटी–सी सफलता का इतंजार होता है और वो बाहर आ जाती है। तुमसे नहीं होगा, यह तुम्हारे बस की बात नहीं है, तुम अभी बच्चे हो, ऐसे बोलने वाले लोग वास्तव में हमारे सच्चे हितेषी होते हैं। वे लोग हमारे अंदर बैठे आलसी और नकारात्मक भावनाओं से भरे इंसान को बाहर निकलने में हमारी सहायता करते हैं, ताकि हम आलस्य और निराशाजनक विचारों को त्यागकर सही दिशा में लगातार प्रयास करें और अपना सर्वांगीण विकास कर सकें। कोशिश करने से पीछे न हटे।

बदलाव जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। इसके अनुरूप खुद को ढाल लेना ही समझदारी है। परिवर्तनों से डरने की कोई आवश्यकता नहीं है, बल्कि हम परिवर्तनों का आदर कर सकते हैं। बदलाव को देखकर कई बार हम खुद को असहज महसूस करते हैं। बदलाव को धैर्य रूपी अद्वितीय गुण से अवसर में बदला जा सकता है। हर व्यक्ति अपने आप में प्राकृतिक रूप से सबल है। बस धैर्य को और ज्यादा बेहतर बनाने की आवश्यकता है। अतः हमें खुद का मोटिवेशन और कॉन्फिडेन्स बढ़ाने पर ज्यादा ध्यान देना होगा। जीवन में अवसरों की कोई कमी नहीं है। हमें हर परिस्थिति में एक सबक लेने की आवश्यकता है। इसके साथ ही परिस्थिति को अवसर में बदलने की क्षमताओं को विकसित करना होगा। जीवन एक महान अवसर है इसको व्यर्थ गंवाना समझदारी नहीं है।

सरलता और शीघ्रता से सीखी जाने योग्य भाषाओं में हिंदी सर्वोपरि है।

(लोकमान्य तिलक)